आज का मास्टहेड इंदौर के जज्बे के नाम, स्वस्थ शहर का संदेश देने पहली बार 23 दिन में 1109 किमी साइकिलिंग की जीपीएस ड्राइंग से बना है

आज दैनिक भास्कर के दो अंक हैं। दूसरी प्रति लेना न भूलें।

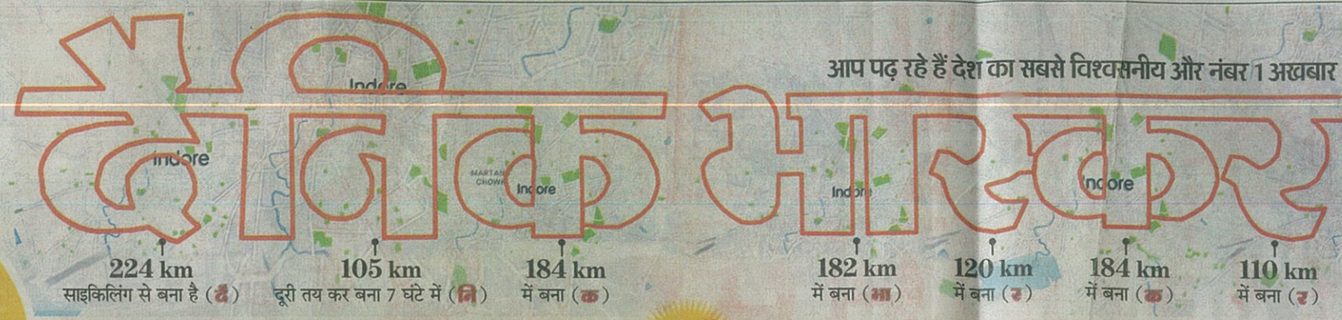

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

224 km साइकिलिंग से बना है (दै) | 105 km दूरी तय कर बना 7 घंटे में (नि) | 184 km में बना (क) | 182 km में बना (भा) | 120 km में बना (स्) | 184 km में बना (क) | 110 km में बना (र)

यह मास्टहेड अमोल वाधवानी व राजेश असरानी ने बनाया है। इसे पॉज एंड रिज्यूम तकनीक से साइकिलिंग की स्मार्ट वॉच जीपीएस ट्रेकिंग करते हुए बनाया गया है।

भोपाल, रविवार 5 मार्च, 2023 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 13, 2079 | मूल्य ₹ 7.00, डीबी स्टार के साथ | वर्ष 66, अंक 202, महानगर | 12 राज्य | 61 संस्करण

दैनिक भास्कर ऐतिहासिक सफलता के 40 वर्ष

...अटूट विश्वास के लिए आभार इंदौर

1983 में शुरू हुई दैनिक भास्कर इंदौर संस्करण की यात्रा 40 वर्ष पूर्ण कर 41वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। 1958 में भोपाल से शुरुआत, फिर इंदौर और एक के बाद कई राज्यों में भास्कर बढ़ता गया। इस सफर में भास्कर को पाठकों का बहुत प्यार मिला और कई प्रतिमान भी स्थापित किए। हमारे इन विनम्र प्रयासों के पीछे सबसे बड़ी ताकत आप पाठक ही रहे। इंदौर से मिले संस्कार और सीख ही 12 राज्यों के 61 संस्करणों में हमें शीर्ष अखबार बनाने में काम आए। 41वें वर्ष में इंदौर को देश के शीर्ष शहरों में स्थापित करने का अभियान शुरू करना चाहते हैं। इसी उद्देश्य से प्रदेश के शीर्ष एक्सपर्ट के साथ मिलकर इंदौर का यह विजन डॉक्यूमेंट बनाया है। ताकि हम मिलकर इस पर काम कर पाएं। इन 40 वर्षों में हमारे संकल्पों को मजबूती देने वाले इंदौर के पाठकों को सादर नमन।

न्यू विजन ऑफ इंदौर

ऐसे पहुंचेगा इंदौर शीर्ष पर... बनाएं ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट, मेट्रोपॉलिटन और भोपाल तक RRTS

दो प्रमुख सचिव, चार सीनियर आईएएस व एक्सपर्ट ने **भास्कर** के लिए बनाया इंदौर का विजन डॉक्यूमेंट

अमित मंडलोई | इंदौर. सफाई में छह बार से देश में अव्वल इंदौर ने अपनी ग्लोबल पहचान बनाई है। ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स की पिछली रिपोर्ट में हम देश के नौवें शहर थे, म्युनिसिपल परफॉर्मेंस में लगातार नंबर वन पर हैं। बावजूद इसके देश के टॉप-10 शहरों की सूची में हम शामिल नहीं हैं। इंदौर कैसे देश के शीर्ष शहरों में शामिल हो सकता है, इसके लिए प्रदेश के दो प्रमुख सचिव, चार आईएएस व एक्सपर्ट ने भास्कर के लिए बनाया इंदौर का नया विजन डॉक्यूमेंट। इसमें उन्होंने नौ प्रमुख सुझाव दिए हैं, जिन्हें लागू करने पर पांच से सात सालों में इंदौर देश के शीर्ष शहरों में शामिल हो सकता है। उनका मानना है कि फिलहाल प्रदेश की स्टेट कैपिटल और कमर्शियल कैपिटल में दूरी बहुत है। यदि इनके बीच RRTS (**रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम, यानी द्रुत गति की रेल सेवा**) बनाएं, ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के साथ इंडस्ट्री के लिए इंदौर को टैक्स हैवन के रूप में विकसित कर मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी बनाएं तो तरक्की की रफ्तार कई गुना बढ़ सकती है।

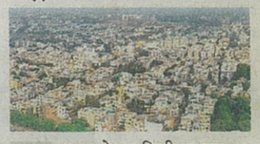

खोलें सीमाएं: मिले मेट्रोपॉलिटन का दर्जा

1. शहर से 25 किमी दूर तक बसाहट हो रही है। ज्यादातर में अनियंत्रित व अनियोजित विकास हो रहा है। पांच से 10 साल में ये इलाके बड़ा बोझ बन जाएंगे। इंदौर, देवास, उज्जैन, महू, पीथमपुर मिलाकर मेट्रोपॉलिटिन सिटी बनाना होगी। अभी सिर्फ कागजों पर घोषणा हुई है।

वर्टिकल ग्रोथ: लैंड लॉज में बदलाव जरूरी

2. जिस तरह से शहर का दायरा बढ़ रहा है, उससे कॉस्ट बर्डन बहुत हो जाएगी। नए क्षेत्र में पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना होगा। टीडीआर पॉलिसी है, लेकिन लागू नहीं हो पाई। न्यूयॉर्क, सिंगापुर में 25 तक एफएआर देते हैं, मुंबई में पांच तक जाते हैं, हमारे

04 घंटे लगते हैं अभी इंदौर से भोपाल पहुंचने में

1.5 घंटे में हो सफर तो स्टेट व कमर्शियल कैपिटल सीधे जुड़ जाएं

लंदन ट्यूब्स जैसा हो इंदौर-भोपाल के बीच रेल सिस्टम

3. इंदौर-भोपाल के बीच सिर्फ बसें चलाने से काम नहीं होगा। आरआरटीएस (रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) बनाना होगा। भोपाल से इंदौर की दूरी डेढ़ घंटे में कवर हो सके तो कमर्शियल कैपिटल और स्टेट कैपिटल के बीच सीधा संपर्क हो जाएगा। छह स्टॉपेज रखेंगे तो बीच के साथ प्रमुख कस्बों में विकास की रफ्तार तेज हो जाएगी। इलेक्ट्रिक पॉवर्ड ये ट्रेनें दुनिया के घनी आबादी वाले कई शहरों की लाइफ लाइन बन चुकी हैं। लंदन अंडरग्राउंड्स (ट्यूब्स), न्यूयॉर्क सिटी सब-वे, टोक्यो मेट्रो, शंघाई मेट्रो और पेरिस मेट्रो दुनिया के कुछ सबसे लोकप्रिय आरआरटीएस हैं।

इंडस्ट्री: स्किल डेवलपमेंट पर फोकस जरूरी

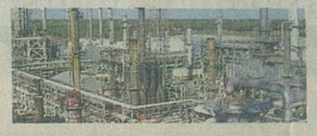

4. इंडस्ट्री के मामले में इंदौर लगातार बेहतर हो रहा है, लेकिन अभी भी स्किल डेवलपमेंट पर बहुत फोकस करने की जरूरत है। क्वालिटी मैनपॉवर के लिए शीर्ष उद्योगों की प्राथमिकता सूची में नहीं है। देश के मध्य में होने से इंदौर लॉजिस्टिक के लिए सबसे उपयुक्त है, लेकिन इसे अब तक उतना एक्सप्लोर नहीं किया गया है।

हेल्थ: डायग्नोस्टिक हब के रूप में करें विकसित

5. हैदराबाद ने खुद को डायग्नोस्टिक हब के रूप में विकसित किया है। वहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की मेडिकल जांच की सुविधाएं हैं। इंदौर के हेल्थ सेक्टर में इसकी काफी गुंजाइश है। सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल, पर कैपिटा बेड के साथ ही स्पेशलाइज्ड सर्जरी व इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम करना होगा।

कनेक्टिविटी: चाहिए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट

6. महाकाल कॉरिडोर बनने के बाद उज्जैन में यात्रियों की संख्या में 18 गुना वृद्धि हुई है। ओंकारेश्वर, मांडू और महेश्वर भी पास हैं। इनके बीच सिर्फ इंदौर में ही एयरपोर्ट है। एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की जरूरत है, जहां एयरक्राफ्ट पार्किंग के साथ रिपेयर व मेंटेनेंस, हेलिकॉप्टर असेम्बलिंग की सुविधा भी हो।

जीडीपी ग्रोथ: बड़ी निर्माण इंडस्ट्री लाएं

7 बेंगलुरु और हैदराबाद अपने राज्य की जीडीपी में 60 से 70% तक का योगदान देते हैं। इंदौर मप्र की कमर्शियल कैपिटल है, लेकिन जीडीपी में योगदान 40% के आसपास है। इसे बढ़ाने बड़ी इंडस्ट्री को प्रमोट करना होगा। मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस करना होगा। ट्रैफिक सुधार के लिए फ्लायओवर हल नहीं है। बीआरटीएस से

शिक्षा: बड़े नेशनल इंस्टिट्यूट्स चाहिए

8. इंदौर अकेला शहर है, जहां आईआईटी व आईआईएम दोनों हैं। फिर भी क्वालिटी वर्क फोर्स के लिए इंदौर प्राथमिकता में नहीं है। स्कूल एजुकेशन में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अधिक ध्यान है, अच्छे शिक्षकों पर नहीं। नेशनल लेवल के सरकारी एजुकेशनल व रिसर्च सेंटर लाने होंगे।

रिक्रिएशन: थीम पार्क, एडवेंचर स्पोर्ट्स सेंटर

9. इंदौर के आसपास टूरिज्म की बहुत संभावना है, लेकिन पर्यटकों के मनोरंजन के लिए सुविधाएं सीमित हैं। नए थीम पार्क, एडवेंचर स्पोर्ट्स, वाटर स्पोर्ट्स पर काम करने की जरूरत है। उज्जैन का सफर आधे घंटे में पूरा होने लगे तो यात्रियों का

देश के बाकी शहरों के हाल...

श के हर हिस्से में शहर कर हे हैं तरह-तरह के नवाचार